।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. माता-पिता का क्या करना चाहिए? .....

२. धर्मरूचि अणगार की कौनसी तपस्या थी? .....

३. लज्जा रखना किसका गहना है? .....

४. लकडियों की बलिवेदी पर किसको बिठाया गया? .....

५. बालक तिंदुसक नामक खेल कौनसे वन में खेल रहे थे? .....

प्रश्न २. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. दूसरों का उपकार करने के लिए कौनसा अंक कहता है? .....

२. ज्ञान के कितने गुण है? .....

३. माता-पिता आप का साथ देते है, ये बात कौनसे अंक में बताई है? .....

४. तीर्थंकर कितने है? .....

५. आपने जैन पाठावली के कौनसे भाग की पढाई की है? .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(५)**

१. अपनी दृष्टी ..... बनाएं। (दूरग्राही / गुणग्राही)

२. श्रीकृष्ण ने ..... करके हरिणगमेषी देव को प्रसन्न किया। (तेला / बेला)

३. बातुनी व्यक्ति की ..... शक्ती कमजोर होती है। (निरीक्षण / स्मरण)

४. ..... करने का साधन माला है। (जाप / स्वाध्याय)

५. कुएं के पानी में उसकी ..... पडी। (प्रतिछाया / प्रतिकृती)

प्रश्न ४. निम्नलिखित काम कौनसे व्यक्ति ने किया है, लिखिए। **(५)**

१. मैंने राजा नहीं बनूँगा, यह स्वीकार किया। .....

२. मैं मर्यादा पुरुषोत्तम हूँ। .....

३. मैंने विद्यालयों का निर्माण किया। .....

४. मैंने अंधे माता-पिता को तीर्थस्थानों की सैर करायी। .....

५. मैंने स्वराज्य की स्थापना की। .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। **(१०)**

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
१. अनंतनाथजी	.....	.....
२. सुधर्मास्वामीजी	.....	.....

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
३. सुपार्श्वनाथजी	.....	.....
४. अचलभ्राताजी	.....	.....
५. महावीर स्वामीजी	.....	.....

प्रश्न ६ 'प्रथमे नार्जिता विद्या.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ७ 'मीठी वाणी' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ८ Color The Picture & Fill In The Blanks. **(१०)**

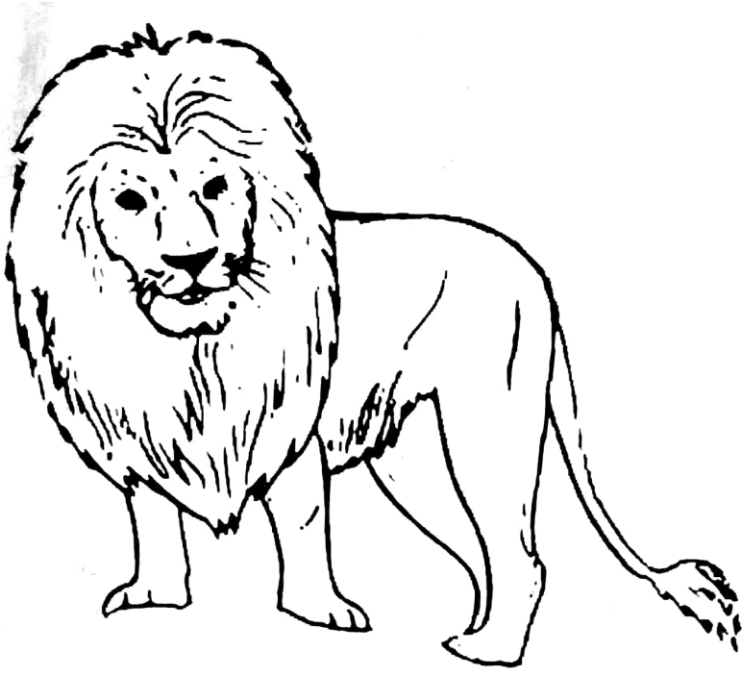

(Lord Mahavir,strength,lion,courage,thirthankar)

..... is the king of the jungle.
He is known for ..... and ..... .
The symbol of ..... , 24th ..... of Jain religion, is Lion as with above qualities he conquered all Karmas and attained Moksha.

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. जैन धर्म किस पर टीका हुआ है? .....
२. माता-पिता का क्या करना चाहिए? .....
३. धर्मरूचि अणगार की कौनसी तपस्या थी? .....
४. किसके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह था? .....
५. अनुपमा की सहेली का क्या नाम था? .....
६. लज्जा रखना किसका गहना है? .....
७. बगीचे में घनी छांह कौनसे शिष्यने देखी? .....
८. रोहिणेय चोर कौनसी नगरी में रहता था? .....
९. लकडियों की बलिवेदी पर किसको बिठाया गया? .....
१०. बालक तिंदुसक नामक खेल कौनसे वन में खेल रहे थे? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. ..... के सेवक है हम वीर सच्चे।
२. कहती करो ....., खिल उठे हर मानव का मन।
३. शुभ ..... की जगाओ लौ।
४. ..... को हमने हैं बिसारा।
५. सुबह शाम ले ..... का नाम।
६. ऐसी मीठी वाणी बोलें, जो कानों में ..... घोले।
७. आचार्य के हम अनुयायी हैं, ... व्रत को धारा हैं।
८. ..... सुमरो हर बार, घर घर वरते मंगलाचार।
९. ..... मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ।
१०. कोई ..... यदि पूछे तो, घर के बारे में कुछ ना बताना।

प्रश्न ३. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. इस किताब में कितनी Activity है? .....
२. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प कितने है? .....
३. दूसरों का उपकार करने के लिए कौनसा अंक कहता है? .....
४. ज्ञान के कितने गुण है? .....
५. रोहिणेय ने भगवान के कितने वाक्य सुने? .....

६. कौनसी कक्षा की सूची बहुत लंबी थी? .....

७. कितने व्यसनों से दूर रहना चाहिए? .....

८. माता-पिता आप का साथ देते है, ये बात कौनसे अंक में बताई है? .....

९. तीर्थंकर कितने है? .....

१०. आपने जैन पाठावली के कौनसे भाग की पढाई की है? .....

प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. मंगलं, देवयं ये गुरुवंदन के पाठ के शब्द है। .....

२. पुस्तक हमें समय बताती है। .....

३. विद्वान और आचार्य की कभी तुलना नहीं हो सकती। .....

४. पू.आनंदऋषिजी म.सा. ने १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कंठस्थ किया। .....

५. छह अंक जिव्हा को वश में रखने के लिए कहता है। .....

६. Every Day Is Change For Better. .....

७. गतियाँ चार है। .....

८. दिल का गहना, गंभीर रहना है। .....

९. थाली संतों के आहार का साधन है। .....

१०. बच्चे भगवान के रूप है। .....

प्रश्न ५. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(१०)**

१. अपनी दृष्टी ..... बनाएं। (दूरग्राही / गुणग्राही)

२. श्रीकृष्ण ने ..... करके हरिणगमेषी देव को प्रसन्न किया। (तेला / बेला)

३. ..... का सदुपयोग करें। (खाली समय / दिन के समय)

४. ..... की वाणी पर श्रध्दा रखनी चाहिए। (संतों / भगवान)

५. बातुनी व्यक्ति की ..... शक्ती कमजोर होती है। (निरीक्षण / स्मरण)

६. ..... करने का साधन माला है। (जाप / स्वाध्याय)

७. सारी कक्षा ..... रोककर विक्की को देख रही थी। (सांस / आंख)

८. भोजन सिर्फ ..... के लिए नहीं करें। (मजे / स्वाद)

९. कुएं के पानी में उसकी ..... पडी। (प्रतिछाया / प्रतिकृती)

१०. माता-पिता ..... भाव से प्रेम करते है। (स्वार्थ / निःस्वार्थ)

प्रश्न ६. ये कौन है, पहचानिए। **(५)**

१. मैं ज्ञान का शत्रु हूँ। .....

२. खिलौने चॉकलेट के लालच में मेरे साथ न जाना। .....

३. हमने दौलत ठुकरायी हैं। .....

४. मेरे आंख की पलक झपकती नहीं। .....

५. मैं अधम उध्दारक हूँ। .....

प्रश्न ७. निम्नलिखित काम कौनसे व्यक्ति ने किया है, लिखिए। **(५)**

१. मैंने राजा नहीं बनूँगा, यह स्वीकार किया। .....

२. मैं मर्यादा पुरुषोत्तम हूँ। .....

३. मैंने विद्यालयों का निर्माण किया। .....

४. मैंने अंधे माता-पिता को तीर्थस्थानों की सैर करायी। .....

५. मैंने स्वराज्य की स्थापना की। .....

प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। **(५)**

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
१. अनंतनाथजी	.....	.....
२. सुधर्मास्वामीजी	.....	.....
३. सुपार्श्वनाथजी	.....	.....
४. अचलभ्राताजी	.....	.....
५. महावीर स्वामीजी	.....	.....

प्रश्न ९. ये मेरी कहानी है, कहानी का नाम लिखिए। **(५)**

१. विनयी शिष्य .....

२. रोहिणेय चोर .....

३. कुमार वर्धमान .....

४. धर्मरूचि अणगार .....

५. विक्की .....

प्रश्न १०. जोड लगाइए। **(१०)**

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. क्रमशः पूर्यते	धनम्?	१.	.....
२. स्वदेशे	धर्मं	२.	.....
३. कणत्यागे कुतो	अरिहंत	३.	.....
४. अहार्यत्वाद्	तपः	४.	.....
५. तृतीये नार्जितं	घटः	५.	.....
६. हमारे देव	पूज्यते राजा	६.	.....
७. आत्मजः	समारंभो	७.	.....
८. यत्नोत्साह	पुस्तक	८.	.....
९. दानमध्ययनं	प्रतिकुलानि	९.	.....
१०. रोचक तथ्य	अनर्घ्यत्वाद्	१०.	.....

प्रश्न ११ गुरुवंदन का पाठ तथा प्रतिदिन दोहराने के कोई २ संकल्प लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२ 'प्रथमे नार्जिता विद्या.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १३ Color The Picture & Fill In The Blanks. (१०)

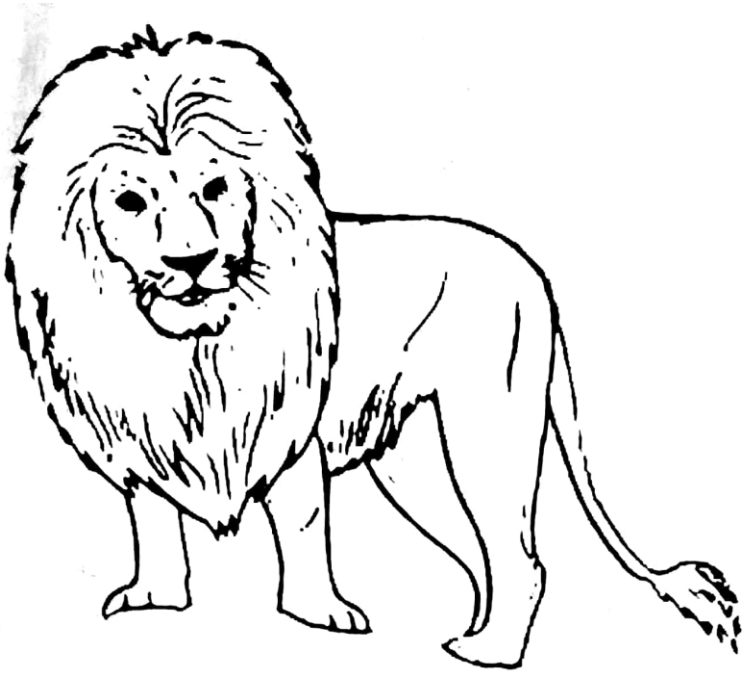

(Lord Mahavir,strength,lion,courage,thirthankar)

..... is the king of the jungle.

He is known for ..... and ..... .

The symbol of ..... , 24th ..... of Jain religion, is Lion as with above qualities he conquered all Karmas and attained Moksha.

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. ..... यह पहला मंगल है, ऐसा शास्त्र बताते हैं।
२. गलत बोलनेवाला मानव ..... को देता न्यौता।
३. कठिनाई से वे क्यों हारे, जब ..... का सम्बल हो।
४. ..... अहिंसा का रस पीऊं।
५. सती ..... ज्ञान विशाला, महासती श्री चन्दनबाला।

प्रश्न २. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. भारत कोकीला ने कितनी पंक्तियोंवाली काव्यरचना की ? .....
२. भगवान के ग्वाले के पास कितने बैल घास चर रहे थे ? .....
३. आर्य वज्र स्वामी ने कितने अंग कंठस्थ किये ? .....
४. अतिमुक्तक कुमार ने कितने वर्ष में दीक्षा ग्रहण की ? .....
५. सतियाँ कितनी हैं ? .....

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. सूरज जग को रोशन करने के लिए कहता है। .....
२. नमन प्रतिदिन सुबह नवकार मंत्र फेरता है। .....
३. अच्छी आदत बुरी आदत में convert करे। .....
४. माता-पिता की कृपा से, सारी बाधाएं मिट जाती है। .....
५. भगवान महावीर के प्रति मेरी दृढ श्रद्धा है। .....

प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(५)**

१. ..... are the proof that you are trying.(Mistakes / Success)
२. अपनी गलती के लिए ..... लेना चाहिए। (पश्चाताप / प्रायश्चित)
३. ..... की शुद्धता होनी चाहिए। (आहार / विचार)
४. बीच रास्ते में ..... छोडकर नहीं जाना चाहिए। (जुलुस / कार्यक्रम)
५. आरविल और विल्वर राइट भाईयों ने..... का आविष्कार किया। (वायुयान / जलयान)

प्रश्न ५. मैं कौन हूँ, लिखिए। **(५)**

१. मैं सबसे छोटा तबला वादक हूँ। .....
२. प्रभु महावीर आहार की गवेषना करते हुए मेरे यहां पहुँचे। .....

३. मेरे लिए भोजन करना साधना है। ....

४. मैंने सचित पानी में पात्र तिराये थे। ....

५. जन्म के १२ दिन बाद मेरा नामकरण का कार्यक्रम रखा गया। ....

प्रश्न ६. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (५)

नाम	तीर्थंकर / गणधर /विहरमान/ सती	नंबर
१.सुजातस्वामीजी	....	....
२.वासुपूज्यजी	....	....
३.शिवाजी	....	....
४.सुधर्मास्वामीजी	....	....
५.प्रभासजी	....	....

प्रश्न ७ 'तमो धुनीते .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८ 'अमृत और विष' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ९ (१०)

सूचना – नीचे इस किताब में आये व्यक्तियों के नाम के अक्षरों को आगे पीछे किया है उन्हें क्रमशः लगाकर सही नाम लिखिए।

जैसे – द्धा र र्थ कु सि मा	सिद्धार्थकुमार
भ र वा म ग हा न वी	
कु अ क्त मा मु ति र क	
श्रु ना क सी पू ट रा न	
वा त्रि व छ सु पू दे	
य भ कु र अ मा	
रा र रथ वी क	
जा श्रे क रा णि	
ग वी रा त	
द्धा मि ना	
द्धि का बु	

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. बुरी आदतें जीवनपर कैसा असर डालती हैं? .....
२. पूंजनी किसके लिए उपयोगी साधन है? .....
३. किससे लाभ उठाने की कला आनी चाहिए ? .....
४. आधुनिक बच्चें को अंग्रेजी में क्या कहते है? .....
५. किससे बात जल्दी समझ में आती है? .....
६. संत महात्मा ने सभा को किसकी कहानी सुनायी? .....
७. गौतम स्वामी कौनसी नगरी में गोचरी के लिए पधार रहे थे? .....
८. कौनसे वैद्य ने भगवान की कान की कीलों को खींच निकाला? .....
९. ६४ इन्द्रों ने भगवान का जन्मोत्सव कहाँ मनाया? .....
१०. आपने इस परीक्षा के लिए कौनसी किताब पढी? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. ..... यह पहला मंगल है, ऐसा शास्त्र बताते हैं।
२. गलत बोलनेवाला मानव ..... को देता न्यौता।
३. कठिनाई से वे क्यों हारे, जब ..... का सम्बल हो।
४. ले लो, ले लो पढ लो बच्चों, जीवन का ..... है पुस्तक।
५. ..... का खुला खजाना, वसुधा पर बिखरा दो।
६. अच्छे बच्चे हम कहलाएँ, ... को अपनाएँ।
७. ..... अहिंसा का रस पीऊं।
८. सागर कहता तुम ..... बन, गुण रत्नों को देना सीखो।
९. प्रभु का नाम ..... करना, जग में अच्छा नाम कमाना।
१०. सती ..... ज्ञान विशाला, महासती श्री चन्दनबाला।

प्रश्न ३. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. भारत कोकीला ने कितनी पंक्तियोंवाली काव्यरचना की ? .....
२. Success की कितनी सीढियाँ है ? .....
३. आर्द्रकुमार को कितने सिपाही ढूँढने निकले थे ? .....
४. भरत क्षेत्र में कितने देश है ? .....
५. भगवान के पास ग्वाले के कितने बैल घास चर रहे थे ? .....

६. आर्य वज्र स्वामी ने कितने अंग कंठस्थ किये ? .....

७. महावीर जयंती के जुलुस में ध्यान रखने योग्य बातें कितनी हैं ? .....

८. अतिमुक्तक कुमार ने कितने वर्ष में दीक्षा ग्रहण की ? .....

९. सतियाँ कितनी हैं ? .....

१०. इस किताब में कितने सुभाषित है ? .....

प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. सूरज जग को रोशन करने के लिए कहता है। .....

२. व्यक्ति को ३ बातों में संतोष करना चाहिए। .....

३. नमन प्रतिदिन सुबह नवकार मंत्र फेरता है। .....

४. अच्छी आदत बुरी आदत में convert करे। .....

५. Mind को कोई भी दृढ आदत डालने में १५ दिन लगते है। .....

६. जिसमें स्व संबधित अध्ययन हो सके, उसे स्वाध्याय कहते हैं। .....

७. पथरीली भूमि के बीजों से अच्छी फसल हुई। .....

८. शैतानी जीवन किसी को भी नहीं भाता। .....

९. माता-पिता की कृपा से, सारी बाधाएं मिट जाती है। .....

१०. भगवान महावीर के प्रति मेरी दृढ श्रद्धा है। .....

प्रश्न ५. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(१०)**

१. ..... are the proof that you are trying.(Mistakes / Success)

२. अपनी गलती के लिए ..... लेना चाहिए। (पश्चाताप / प्रायश्चित)

३. एक गलत ..... की वजह से जीवन खीर की तरह बेस्वाद हो जाता है। (बात / आदत)

४. किसी भी ..... व्यक्ति की मदत करनी चाहिए। (मतिमंद / जरुरतमंद)

५. ..... की शुद्धता होनी चाहिए। (आहार / विचार)

६. बीच रास्ते में ..... छोडकर नहीं जाना चाहिए। (जुलुस / कार्यक्रम)

७. अहिंसा, अनेकांत, ... के सिद्धांत को दुनिया के सामने रखा है। (अपरिग्रह / परिग्रह)

८. आरविल और विल्वर राइट भाईयों ने ..... का आविष्कार किया। (वायुयान / जलयान)

९. भगवान के प्रति हृदय में ..... रखनी चाहिए। (श्रद्धा / करुणा)

१०. घाव को ..... औषधि से भर दिया। (आरोहण / संरोहण)

प्रश्न ६. मैं किसकी विशेषता हूँ, पहचानिए। **(५)**

१. गुण भण्डारी .....

२. ८ पर्त वाली .....

३. विश्व सोच का सार .....

४. निशदिन चलनेवाला .....

५. छेदवाला .....

प्रश्न ७. मैं कौन हूँ, लिखिए। **(५)**

१. मैं सबसे छोटा तबला वादक हूँ। .....

२. प्रभु महावीर आहार की गवेषना करते हुए मेरे यहां पहुँचे। .....

३. मेरे लिए भोजन करना साधना है। .....

४. मैंने सचित पानी में पात्र तिराये थे। .....

५. जन्म के १२ दिन बाद मेरा नामकरण का कार्यक्रम रखा गया। .....

प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (१०)

नाम	तीर्थंकर / गणधर /विहरमान/सति	नंबर
१.सुजातस्वामीजी	.....	.....
२.वासुपूज्यजी	.....	.....
३.शिवाजी	.....	.....
४.सुधर्मास्वामीजी	.....	.....
५.प्रभासजी	.....	.....
६.पार्श्वनाथजी	.....	.....
७.चन्दनबालाजी	.....	.....
८.सुरप्रभस्वामीजी	.....	.....
९.अनंतनाथजी	.....	.....
१०.सीमंधरस्वामीजी	.....	.....

प्रश्न ९. मेरा उल्लेख इस कविता में आया है, कविता का नाम लिखिए। (५)

१. उडता हुआ मोर .....

२. फुलवारी .....

३. पथ के कांटे .....

४. चांद सितारे .....

५. गुण खानी .....

प्रश्न १०. जोड लगाइए। (५)

अ–स्तंभ	ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. पुस्तकेषु	रिवांभसि।	१.	.....
२. प्रमादः	वाणी।	२.	.....
३. तैलबिंदु	च या विद्या।	३.	.....
४. मधुरभाषिणी	कर्तव्यः।	४.	.....
५. सन्तोषस्त्रिषु	सुमहानहो।	५.	.....

प्रश्न ११ ये किसने कहा, लिखिए। (५)

१. तुम्हें अपने आप पर शर्म क्यों आती हैं। .....

२. वहां सामायिक के पूरे उपकरण लगते है। .....

३. नाव तिरे, म्हारी नाव तिरे। .....

४. मैं तुम्हें बहरा करके ही दम लूंगा। .....

५. इसका गुणनिष्पन्न वर्धमान ऐसा नाम रखेंगे। .....

प्रश्न १२ 'तमो धुनीते .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

प्रश्न १३ (१०)

सूचना – नीचे इस किताब में आये व्यक्तियों के नाम के अक्षरों को आगे पीछे किया है उन्हें क्रमशः लगाकर सही नाम लिखिए।

जैसे – द्धा व र्थ कु सि ष्णि	सिद्धार्थवष्णिकु
भ र वा म ग हा न वी	
कु अ क्त मा मु ति र क	
क्षु ना क सी पू ट रा न	
वा त्रि व ष्ठ सु पृ दे	
ल अ कु र अ मा	
ढ र खा वै क	
जा श्रे क रा णि	
ग वी रा त	
ह्मा णि ना	
द्धि का बु	

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. वस्त्र हीन को क्या देना चाहिए? .....

२. तीर्थंकर किसकी प्रेरणा से दीक्षा लेते हैं? .....

३. किसके कारण अशुद्ध आत्मा शुद्ध बनती है? .....

४. देवता का दातृत्व किसके जीवन में होता है? .....

५. किसके प्राण बचाने के लिए हाथी ने ढाई दिन तक अपना पैर उपर रखा? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. भगवान महावीर के पौत्र सोमयश का शासन था। .....

२. हर युग में २४ सिद्ध मुख्य होते हैं। .....

३. भगवान भक्त का उद्धार करते हैं। .....

४. सूर्योदय के आधा घंटा बाद उठें। .....

५. मेघमुनि दरवाजे के पास सोए हुए थे। .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(५)**

१. धर्म स्थानक को प्राचीन समय में ..... कहते थे। (परिक्षा बोर्ड / पौषध शाला)

२. सभी संसारी जीव में कोई न कोई ..... होती है। (शक्ती / पर्याप्ती)

३. ..... व्यक्तियों का क्रोध एक अहोरात्री तक रहता है। (उत्तम / नीच)

४. ..... याने सूरज का प्रकाश। (अर्क / रर्क)

५. सोते-जागते वक्त शुभ ..... करने चाहिए। (काम / संकल्प)

प्रश्न ४. ये कौन है पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. तीर्थंकर की प्रवचन सभा .....

२. ज्ञान का प्रकाश फैलानेवाले .....

३. धर्म का हृदय .....

४. धर्म पर दृढ रहनेवाला .....

५. इस युग के प्रथम आहार दान का दिन .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए जीवों की जाति, काया पहचानकर लिखिए। **(५)**

जीव	**जाति**	**काया**
हिरा	**एकेन्द्रिय**	**पृथ्वीकाय**
१. रंगोली	.....	.....

जीव	जाति	काया
२. चीटी	.....	.....
३. लॉन	.....	.....
४. नरेंद्र मोदी	.....	.....
५. नदी का पाणी	.....	.....

प्रश्न ६ 'अभिवादन शीलस्य.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ७ 'गुरू वन्दना' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ८ **(१०)**

सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए।

शब्द :- ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी, सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर

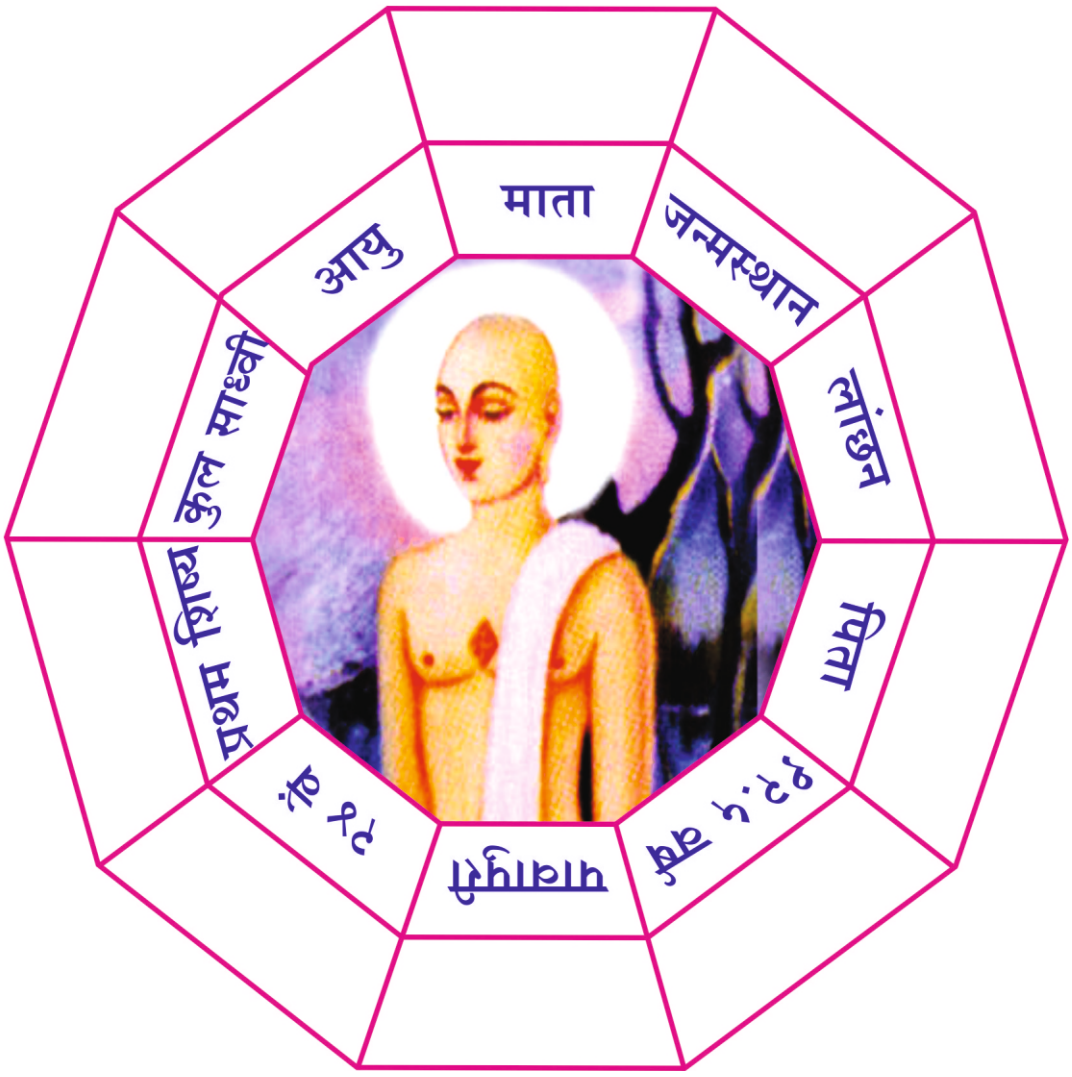

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२० **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. देवगति में क्या होती है? .....
२. लट की जाति कौनसी? .....
३. शक्कर गलने से पूर्व कैसी होती है? .....
४. वस्त्र हीन को क्या देना चाहिए? .....
५. तीर्थंकर किसकी प्रेरणा से दीक्षा लेते हैं? .....
६. किसके कारण अशुद्ध आत्मा शुद्ध बनती है? .....
७. कुलकर्णी और देशपांडे ने किसपर करुणा की? .....
८. देवता का दातृत्व किसके जीवन में होता है? .....
९. संघ की संघनिष्ठा के प्रतिक कौन होते है? .....
१०. किसके प्राण बचाने के लिए हाथी ने ढाई दिन तक अपना पैर उपर रखा? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. एक ..... हो, एक ही गीत, सब जीवों से एक सी प्रीत।
२. ..... तत्व के नौ प्रकार ये, जो प्राणी अपनायेंगे।
३. ..... कौन? भूख से कम खानेवाला।
४. दया करे जो दिन जनों पर, कभी न ..... किया करे।
५. ..... की शरण प्राप्त कर, सदा सत्य सुख पाऊंगा।
६. अमृत के मन में ..... का संचार कीजिए।
७. ..... आधार परमेष्ठी, करते है नमस्कार।
८. शांती ..... से जीवन की, बगिया को सरसाऊंगा।
९. धरती को ....., लोह को लुहार जान।
१०. नारकी, मनुष्य और देवता ..... होते हैं।

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. भगवान महावीर के पौत्र सोमयश का शासन था। .....
२. जिसके द्वारा आत्मा जाना जाये, उसे इन्द्रिय कहते हैं। .....
३. हर युग में २४ सिद्ध मुख्य होते हैं। .....
४. भगवान भक्त का उद्धार करते हैं। .....
५. Life Is Like Experiment. .....

६. रशियन संस्कृती में गुरू का स्थान सबसे उंचा हैं। .....

७. भगवान आदिनाथ की निष्ठावान उपासिका जयति श्राविका थी। .....

८. संतों की ओर पीठ करके न बठें। .....

९. सूर्योदय के आधा घंटा बाद उठें। .....

१०. मेघमुनि दरवाजे के पास सोए हुए थे। .....

प्रश्न ४. मैं कौन हूँ, लिखिए। **(५)**

१. हस्तिनापुर नगर में मेरा शासन था। .....

२. मैं सम्राट श्रेणिक का पुत्र था। .....

३. मेरे मुख्य द्वार पर मकडी का जाल था। .....

४. मेरे जीवन में इंद्र की श्रेष्ठता देखने में आती हैं। .....

५. मैं तीर्थंकर का प्रमुख शिष्य हूँ। .....

प्रश्न ५. इनकी संख्या लिखिए। **(५)**

१. ऋषभदेव भगवान के तपस्या के दिन .....

२. इन्द्रिय .....

३. भगवान ने बताये हुए धर्म .....

४. पू. गुरुदेव की दीक्षा उम्र .....

५. अरिहंत के शरीर पर शुभ चिन्ह .....

प्रश्न ६. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(१०)**

१. धर्म स्थानक को प्राचीन समय में ..... कहते थे। (परिक्षा बोर्ड / पौषध शाला)

२. चलते समय ..... रखनी चाहिए। (ध्यान / जागृती)

३. ..... स्थिती में विचलित नहीं होना चाहिए। (अनुकूल / प्रतिकुल)

४. ..... की स्वस्थता के लिए तप उपयोगी है। (आत्मा / शरीर)

५. सभी संसारी जीव में कोई न कोई ..... होती है। (शक्ती / पर्याप्ती)

६. ..... व्यक्तियों का क्रोध एक अहोरात्री तक रहता है। (उत्तम / नीच)

७. ..... से लडाई नहीं होती। (शांति / मौन)

८. ..... याने सूरज का प्रकाश। (अर्क / रर्क)

९. ..... एक डायरी है। (प्रत्येक दिन / जीवन)

१०. सोते-जागते वक्त शुभ ..... करने चाहिए। (काम / संकल्प)

प्रश्न ७. ये सीख किस कहानी की हूँ, लिखिए। **(५)**

१. निर्णय लेने से पहले बडों की राय लेनी चाहिए। .....

२. भगवान बनने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए। .....

३. संतो को आहार बहराना सुपात्रदान है। .....

४. हमारा हर दिन मूल्यवान है। .....

५. चलते समय जागृती रखनी चाहिए। .....

प्रश्न ८. जोड लगाइए। **(५)**

अ–स्तंभ	ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. साधुनां दर्शनं	नास्ति पातकम्।	१.	.....
२. मध्यमस्य	पुण्यं।	२.	.....
३. विनयाद्	क्रिया।	३.	.....
४. स्मृतिस्तत्परता	घटी द्वयम्।	४.	.....
५. जपतो	याति पात्रताम्।	५.	.....

प्रश्न ९. नीचे दिया तक्ता पूर्ण कीजिए। **(१०)**

गति में जाने के कारण

नरक गति	तिर्यंच गति	मनुष्य गति	देव गति
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(**शद्बसूची** – झूठा तोलमाप करना, मद्यमांस सेवन, स्वभाव से नम्र होना, बालतप, श्रावक के व्रतों को ग्रहण करना, अल्पारंभ, महापरिग्रह, अच्छी वस्तु में खराब वस्तु मिलाकर देना, सरागसंयम, मनुष्य की हत्या करना)

प्रश्न १०. नीचे दिये शद्ब उचित स्थान पर लिखिए। **(५)**

(**शद्बसूची** – मोक्ष, समवशरण, साधनकाल, समभाव, दान, दीक्षा, शत्रुता, वर्षभर, ज्ञान, मौन)

१.तीर्थंकर ..... में सभी अपनी ..... को भूलकर प्रेम से रहते हैं।
२.तीर्थंकर ..... के लक्ष्य से ..... लेते हैं।
३.तीर्थंकर ..... में आनेवाले उपसर्ग–परिषहों को ..... से सहन करते हैं।
४.तीर्थंकर दीक्षा से पहले ..... तक ..... करते हैं।
५.तीर्थंकर को जबतक पूरा ..... नहीं होता तबतक वे ..... में रहते हैं।

प्रश्न ११. नीचे दिए हुए जीवों की जाति, काया पहचानकर लिखिए। **(५)**

जीव	जाति	काया
हिरा	एकेन्द्रिय	पृथ्वीकाय
१. रंगोली	.....	.....
२. चीटी	.....	.....
३. लॉन	.....	.....
४. नरेंद्र मोदी	.....	.....
५. नदी का पाणी	.....	.....

प्रश्न १२ 'अभिवादन शीलस्य.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....
.....
.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १४ (१०)

सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए।

शब्द :– ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी, सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर